CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ORISSA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.28; No.4/2007 | ISSN 0972-5865 | October–December 2007

Regional Agriculture Fair 2007 Organized

SINCE rice is eaten by a large number of people, research has to be made to fortify the rice grain with iron, zinc, vitamin A and other nutrients to take care of the nutritional needs of people," said Shri Naveen Patnaik, Hon'ble Chief Minister of Orissa, after inaugurating the Regional Agriculture Fair at the CRRI, Cuttack on 31 Oct 2007. Shri Patnaik also called upon the scientists to gear up their research work to sustain the present level of self-sufficiency. "The overall strategy should be to develop rice-based farming systems for sustainable production, keeping in view the small and marginal farmers," he said. He also said that climatic factors could pose a threat to fulfilling the objectives of the food security mission. "Therefore, there is urgent need to develop long-term strategies through concerted research."

B. Behera

Shri Naveen Patnaik lights the lamp to inaugurate the Fair.

The Hon'ble Chief Minister addresses the gathering.

B. Behera

Dr M.P. Pandey, Director, CRRI assured the Chief Minister that the institute was geared up to meet the future needs of the country by taking up innovative research projects. "The CRRI is fully committed to

Seen in the photographs below is a view of the audience at the inaugural session.

क्षेत्रीय कृषि मेला २००७ आयोजित

उड़ीसा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में ३१ अक्टूबर, २००७ को आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेला का उद्घाटन किया एवं सभा को संबोधन करते हुए अपने अभिभाषण में कहा 'चूंकि अधिकांश लोगों का खाद्य चावल है, इसलिए लोगों की पौषणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लौह, जस्ता, विटामिन ए तथा अन्य पोषक तत्वों सहित चावल अनाज को और अधिक पौष्टिक बनाने के लिए अनुसंधान की आवश्यकता है।' श्री पटनायक ने आत्मनिर्भरता के वर्तमान स्तर को कायम रखने हेतु अनुसंधान कार्य को सशक्त करने के लिए भी वैज्ञानिकों से आह्वान किया। उन्होंने कहा 'छोटे एवं मध्यम किसानों को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ उत्पादन के लिए चावल आधारित फसल प्रणालियों का विकास समग्र रणनीति होनी चाहिए। उन्होंने आगे यह भी कहा 'राज्य सरकार द्वारा आरंभ किये गये खाद्य सुरक्षा अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के रास्ते में जलवायु घटकों से बाधा उत्पन्न हो सकती है। अतः संगठित अनुसंधान के माध्यम से दीर्घकालिक रणनीतियों का विकास करने की अत्यंत आवश्यकता है'।

सी आर आर आई के निदेशक डा. माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री को आश्वसन दिया कि इस संस्थान द्वारा नवीनतम अनुसंधान परियोजनाओं को लेकर देश की भावी आवश्यकताओं को शीघ्र पूरा किया

help in increasing the rice production and to attending the needs of the farmers," he said.

Smt Surama Padhy, Hon'ble Minister of Co-operation, Government of Orissa, Dr M. Kazmi, Director, Farm Information, Ministry of Agriculture, Government of India and Dr D.P. Ray, Vice-Chancellor, Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar, also spoke.

The Regional Agriculture Fair 2007 for Orissa, West Bengal, Jharkhand and Bihar that was sponsored by the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Government of India, was organized from 31 Oct to 3 Nov 2007 with the theme "Livelihood Security in Rice-based Farming Systems." The objective was to enhance the livelihood security in the region by transferring the integrated technologies to various rice-based farming systems by creating an opportunity for exchange of ideas, knowledge and experiences among various states of region.

More than 500 farmers attended the fair. During the fair, various programmes such as Kisan Gosthi, Field visits and cultural programmes were organized.

At the Valedictory Function on 3 Nov 2007, Shri S.N. Nayak, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Orissa, highlighted the need for regularly holding these interactive programmes, as it would benefit the farming community.❄

The Hon'ble Chief Minister released CRRI publications during the inaugural session.

Shri Naveen Patnaik observes the exhibits at the CRRI stall put up at the Fair.

Shri S.N. Nayak, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Orissa addressed the gathering during the Valedictory function.

Shri S.N. Nayak gave certificates to participants at the Fair.

Dr M.P. Pandey explains the CRRI rice varieties to the Hon'ble Minister.

जायेगा। उन्होंने कहा 'चावल उत्पादन में वृद्धि तथा किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सी आर आर आई पूर्णतः वचनबद्ध है।'

इस अवसर पर उड़ीसा सरकार के माननीय सहकारिता मंत्री श्रीमती सुरमा पाढ़ी, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के फार्म सूचना के निदेशक डा. एम.काजमी तथा भुवनेश्वर स्थित उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.पी. राय ने भी सभा को संबोधित किया।

क्षेत्रीय कृषि मेला २००७ का आयोजन ३१ अक्टूबर से ३ नवंबर २००७ तक किया गया। इसमें उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड तथा बिहार राज्यों ने भाग लिया। भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के विस्तार निदेशालय द्वारा इसका प्रायोजन किया गया था। मेले का शीर्षक 'चावल आधारित खेती प्रणालियों में जीविका सुरक्षा' था। मेले का उद्देश्य विभिन्न राज्यों के चावल किसानो के विचारों, ज्ञान तथा अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए अवसर का सृजन करके विभिन्न चावल आधारित खेती प्रणालियों में समेकित प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के द्वारा इस क्षेत्र में आजीविका सुरक्षा की वृद्धि करना था।

मेले में पांच सौ से अधिक किसानों ने भाग लिया। मेले के अंश के रूप में विभिन्न कार्यक्रम जैसे फसल संगोष्ठियां, किसान गोष्ठी, क्षेत्र परिदर्शन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गयीं।

मेले का समापन समारोह ३ नवंबर, २००७ को आयोजित किया गया जिसमें उड़ीसा सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री सुरेंद्रनाथ नायक ने इस प्रकार की पारस्परिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि कृषक समुदाय लाभान्वित हो सके।❄

National Symposium for Increasing Rice Production System Held

SHRI Surendra Nath Nayak, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Orissa in his inaugural address stressed on the importance of increasing the productivity of rice system by strengthening the research systems and also transfer of technology. He said "The scientists should adapt the research to tackle the needs of the farmers."

Dr M.P. Pandey, Director, CRRI welcomed the delegates. He said "Despite current self-sufficiency in foodgrain production achieved in the post-Green Revolution, the present research and development strategies need to be tuned to sustain the growth and ensure food security for the burgeoning population. While 91 metric tonnes of rice is now being produced in the country, the demand would be around 110 metric tonnes in the next five to six years." Dr D.P. Ray, Vice-Chancellor, OUAT, Bhubaneswar, Dr C.R. Hazra, Vice-Chancellor, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, (IGKVV), Raipur, Dr B.C. Viraktamath, Project Director, Directorate of Rice Research (DRR), Hyderabad, Dr J.P. Mishra, ADG (Coordination), ICAR, New Delhi, Dr Swapan Datta, Professor, Calcutta University and Dr Anand Swarup, Soil Scientist, IARI, New Delhi were some of the more than 200 scientists who deliberated in the brainstorming sessions to discuss about the food security in India. The three-day deliberations paved the way for developing a road map with alternate strategies and options to improve rice with a competitive edge among crops / commodities befitting both, producers and consumers' alike leading to the Second Green Revolution in the country.

The Association of Rice Research Workers in collaboration with the CRRI and the Indian Council of Agricultural Research organized the National Symposium on "Research Priorities and Strategies in Rice Production System for Second Green Revolution" at CRRI, Cuttack from 20 to 22 Nov 2007.❄

B. Behera

Shri S.N. Nayak, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Orissa lights the lamp to inaugurate the National Symposium.

After the inaugural session, the Hon'ble Minister visited the stalls put up at the venue.

B. Behera

चावल उत्पादन प्रणाली में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित

उड़ीसा सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री सुरेंद्रनाथ नायक ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपने भाषण में अनुसंधान प्रणालियों तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूती प्रदान करके चावल प्रणाली की उत्पादकता वृद्धि के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा 'वैज्ञानिकों की यह कोशिश होनी चाहिए कि किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूल अनुसंधान हो।'

सी आर आर आई के निदेशक डा. माता प्रसाद पांडेय ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा 'हरित क्रांति के बाद खाद्य सुरक्षा में प्राप्त मौजूदा आत्मनिर्भरता के बावजूद भी, उत्पादन वृद्धि को कायम रखने तथा बढ़ती आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु वर्तमान के अनुसंधान तथा विकास रणनीतियों को अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। अभी देश में ९१ मैट्रिक टन चावल उत्पादन हो रहा है किंतु अगले पांच-छह साल में यह मांग लगभग ११० मैट्रिक टन तक बढ़ जाएगी'। डा. डी.पी.राय, कुलपति, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, डा. सी आर. हाजरा, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डा. बी.सी. विराक्तमथ, परियोजना निदेशक, चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, डा. जे.पी.मिश्र, सहायक महानिदेशक (समन्वय), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, डा.स्वप्न दत्ता, प्रोफेसर, कोलकाता विश्वविद्यालय तथा डा. आनंद स्वरूप, मृदा वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के २०० से अधिक वैज्ञानिकों ने बुद्धिमंथन सत्रों के दौरान भारत में खाद्य सुरक्षा के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये। तीन दिनों के व्याख्यानों से अन्य फसलों/पदार्थों में प्रतिस्पर्द्धात्मक पैनेपन सहित चावल में सुधार लाने हेतु उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं दोनों के लिए उपयुक्त वैकल्पिक रणनीतियों तथा विकल्पों के साथ एक रोडमैप का विकास हो सका जिससे देश में द्वितीय हरित क्रांति आएगी।

चावल अनुसंधान कार्मिक संघ (एआरआरडब्ल्यू) ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में २० से २२ नवंबर, २००७ के दौरान 'द्वितीय हरित क्रांति के लिए चावल उत्पादन प्रणाली में अनुसंधान प्राथमिकताएं तथा रणनीतियां' विषय पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।❄

National Conference on Rice Pest Management Held

A NATIONAL Conference on "Recent Trends in Rice Pest Management" was held at the CRRI, Cuttack from 8 to 9 Dec 2007 organized jointly by the Division of Entomology, CRRI, Cuttack, Applied Zoologist Research Association (AZRA), CRRI, Cuttack, Vigyan O Paribesh Vikash Samiti (VPVS), Cuttack and P.L. Nayak Research Foundation, Cuttack and attended by 70 delegates.

The Chief Guest Dr O.M. Bambewala, Director, NCIPM, ICAR, New Delhi, outlined the objectives of the Conference and stressed upon the need to reorient research towards tackling resurgence of pests. Dr B. Vasantharaj David, President, AZRA chaired the Inaugural Session. Dr Anand Prakash, Principal Scientist and Head I/c, Division of Entomology welcomed the participants. Prof. B. Senapati, Former Vice-Chancellor, Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), Bhubaneswar was the Guest of Honour. Dr G.J.N. Rao, Director (I/c), CRRI, also addressed the gathering.

The participants deliberated over the trends in rice pest management over five technical sessions namely, Pest Status, Incidences and Losses; Host Plant Resistance and Biotechnology; Pest Control Measures; Integrated Pest Management (IPM) in different Rice Ecosystems; and Pest Management in Rice Storage in Rice ecology.❄

B. Behera

The Chief Guest Dr O.M. Bambewala, Director, NCIPM,outlined the objectives of the Conference.

चावल नाशककीट प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

सी आर आर आई, कटक के कीटविज्ञान प्रभाग, प्रायोगिक प्राणिवैज्ञानिक अनुसंधान संघ (आजरा), सी आर आर आई, कटक, विज्ञान एवं परिवेश विकास समिति (वीपीवीएस) कटक तथा पी.एल. नायक अनुसंधान संगठन, कटक ने संयुक्त रूप से केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में ८ से ९ दिसंबर, २००७ के दौरान 'चावल नाशककीट प्रबंधन में नूतन प्रवृत्तियां' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें ७० प्रतिनितिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय समेकित नाशकजीव प्रबंधन केंद्र, भाकृअनुप, नई दिल्ली के निदेशक डा. ओ.एम. बांबेवाला इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे तथा उन्होंने इस सम्मेलन के उद्देश्यों को रेखांकित किया एवं नाशककीटों के पुनरुज्जीवन का मुकाबला करने के लिए नये सिरे से अनुसंधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। आजरा के अध्यक्ष डा.बी.बंसतराज डेविड ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। कीटविज्ञान प्रभाग के प्रभारी अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डा. आनंद प्रकाश ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के भूतपूर्व प्रोफेसर बी.सेनापति इसमें सम्मानीय अतिथि थे। डा. जी.जे.एन. राव, प्रभारी निदेशक, सी आर आर आई ने भी सभा को संबोधित किया।

प्रतिभागियों ने पांच तकनीकी संत्रों जैसे नाशककीट स्थिति, प्रकोप तथा नुकसान; परपोषी पौध प्रतिरोधिता तथा जैवप्रौद्योगिकी; नाशकजीव नियंत्रण उपाय; विभिन्न चावल पारितंत्रों में समेकित नाशककीट प्रबंधन तथा चावल पारिस्थितिकी के अंतर्गत चावल भंडारण में नाशककीट प्रबंधन पर अपने-अपने व्याख्यान दिये।❄

The delegates get together for a group photograph after the inaugural session.

Hindi Fortnight, 2007 Organized at CRRI, Cuttack

DURING the Hindi Fortnight 2007 celebrated at CRRI, Cuttack from 14 Sep 2007 to 28 Sep 2007, six Hindi competitions on Hindi signature, Hindi dictation, Hindi typing, Hindi technical words, Hindi reading and Hindi noting and drafting were organized for the staff whose mother tongue is other than Hindi.

Cash awards were awarded for each competition. Apart from these, there were ten incentives prizes for Hindi noting and Drafting competition. Shri Satyabrata Nayak, and Smt Ambika Sethi were given cash awards as first prize for doing original work in Hindi under the Incentive Programme for the financial year 2006–2007.

A Hindi Kavi Sammelan was also organized. Shri Arun Kumar Jain, Senior Engineer, Railway Electrification, Rail Vihar, Bhubaneswar, Shri Bimal Kishore Mishra, Senior Hindi Pradhyapak, Hindi Teaching Scheme, Government of India, Shri Gyananand Hota, Senior Accountant, Office of Postal Audit, Mahanadi Vihar, Cuttack and Shri Triveni Prasad Tripathy, Chauliaganj, Cuttack were invited as poets.

Dr Smarpriya Mishra, Head of Department of Hindi, Ravenshaw University, Cuttack at the closing ceremony on 4 Oct 2007 said "Hindi has already made inroads in almost all the multinational companies and the satellite channels in India and is making strongholds in computers, and mobiles. It is quite apparent that they are benefited from Hindi as well as the customers and the country." She also said that Hindi should be given equal importance similar to other official work in the central government offices. Therefore, the need of the time is to achieve the desirable targets of the Hindi work along with the other targets of the office."

For coordinating these competitions, a Hindi Pratiyogita Nirnayak Mandal was constituted by the Director with 12 scientists and officers from the CRRI, as Members with Dr S.N. Tewari as the Chairman.❄

B. Behera

Shri Satyabrata Nayak (right), is seen after receiving the certificate and the cash award as first prize for doing original work in Hindi under the Incentive Programme for the financial year 2006–2007 from Dr Smarpriya Mishra.

Poet Shri Gyananand Hota recited poems on humour and engrossed the audience with his wit.

B. Behera

सी आर आर आई में हिंदी पखवाड़ा, २००७ आयोजित

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में दिनांक १४ सितंबर २००७ से २८ सितंबर २००७ तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया तथा इस दौरान संस्थान के हिंदीतर भाषी कर्मचारियों के लिए हिंदी हस्ताक्षर, श्रुतलेखन, टंकण, तकनीकी शब्द लेखन, पाठ-पाठन तथा टिप्पण एवं प्रारूपण कुल छह हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

प्रत्येक हिंदी प्रतियोगिता के लिए नकद पुरस्कार रखा गया था। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता में कुल दस प्रोत्साहन पुरस्कार रखे गये थे।

वित्तीय वर्ष २००६-२००७ के दौरान प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सर्वाधिक सरकारी कार्यों को मूल रूप से हिंदी में करने के लिए श्री सत्यव्रत नायक तथा श्रीमती अंबिका सेठी प्रत्येक को प्रथम नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एक हिंदी कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। श्री विमल किशोर मिश्र, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, कटक, श्री अरूण कुमार जैन, वरिष्ठ अभियंता, रेलवे विद्युतीकरण अभियांत्रिकी, रेल विहार, भुवनेश्वर, श्री ज्ञान होता, वरिष्ठ लेखाकार, डाक लेखा कार्यालय, महानदी विहार, कटक तथा श्री त्रिवेणी प्रसाद त्रिपाठी, चाउलियागंज, कटक कवि के रूप में उपस्थित थे।

समापन समारोह ४ अक्टूबर २००७ को आयोजित किया गया जिसमें रेवेंशा विश्वविद्यालय, कटक के हिंदी विभागाध्यक्ष डा.स्मरप्रिया मिश्र मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा 'आज भारतवर्ष में जितनी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं, जितने इलैक्ट्रानिक मीडिया चैनेल हैं, सभी में हिंदी की अनुगूंज सुनाई पड़ती है। आज कंप्यूटर, मोबाइल आदि सब में हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है। स्पष्ट है कि इससे उनकी लाभप्रदता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में जिस प्रकार अन्य सभी कामों को अहमियत दी जाती है, उसी प्रकार हिंदी के कार्य को अहमियत देनी चाहिए, इससे कार्यालय की उत्पादकता व लाभप्रदता अवश्य बढ़ेगी। जरूरत है कार्यालय के अन्य लक्ष्यों के साथ-साथ हिंदी के लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जाए'।

इन प्रतियोगिताओं को समन्वित करने के लिए कुल १२ वैज्ञानिकों/अधिकारियों को लेकर पादप रोगविज्ञान प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक डा. श्रीनारायण तिवारी की अध्यक्षता में एक हिंदी प्रतियोगिता निर्णायक मंडल का गठन किया गया था।❄

Vigilance Awareness Week Observed

DR M.P. Pandey, Director, CRRI, Cuttack, administered the pledge to the staff of the CRRI during the Vigilance Awareness Week from 12 to 19 Nov 2007. Shri S.K. Sinha, Senior Administrative Officer, read the message from the Central Vigilance Commission, Government of India. An essay competition on "Regulation Alone Cannot Eradicate Corruption," was held among the staff.

B. Behera

Shri B.K. Mohanty (left) receives his certificate from Shri Lalit Das, IPS, DIG of Police (Vigilance), Cuttack, at the concluding session on 19 Nov 2007.

At the closing ceremony on 19 Nov 2007, Shri Lalit Das, IPS, DIG of Police (Vigilance), Cuttack, spoke on corruption and the rules and regulations enforced by the Vigilance Department for keeping the organization free from corruption and the different means of curbing it. He distributed prizes to the winners of the essay competition.❄

सर्तकता जागरुकता सप्ताह का पालन

सी आर आर आई, कटक के निदेशक डा. माता प्रसाद पांडेय ने १२ से १९ नवंबर २००७ तक आयोजित सर्तकता जागरुकता सप्ताह के दौरान संस्थान के कर्मचारियों को संकल्प पाठ कराया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री एस.के. सिन्हा ने भारत सरकार के केंद्रीय सर्तकता आयोग से प्राप्त संदेश को पढ़कर सुनाया। इस दौरान कर्मचारियों के लिए 'सिर्फ नियमों से भ्रष्टाचार का उन्मूलन नहीं हो सकता है' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

समापन समारोह १९ नवंबर २००७ को आयोजित किया गया जिसमें श्री ललित दास, आई पी एस, पुलिस के डीआईजी (सर्तकता), कटक ने किसी संगठन को भ्रष्टाचार मुक्त रखने के लिए सर्तकता विभाग द्वारा लागू किये गये नियमों एवं विनियमों तथा भ्रष्टाचार एवं इससे निपटने के लिए विभिन्न उपायों के बारे में बताया। उन्होंने निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया।❄

ADRP meeting Held

THE Annual Direct Recruitment Plan (ADRP) meeting for the eastern region was held at CRRI, Cuttack from 15 to 16 Nov 2007 to finalize the Direct Recruitment Vacancies under categories of Administrative, Technical and Supporting during 2006–07 and

वार्षिक सीधी भर्ती योजना बैठक आयोजित

पूर्व क्षेत्र के १८ संस्थानों/जेडसीयू के लिए वर्ष २००६-०७ तथा २००७-०८ के दौरान प्रशासनिक, तकनीकी तथा सहायक कर्मचारियों के वर्गों के अंतर्गत सीधी भर्ती रिक्तियों को अंतिम रूप देने के लिए सी आर आर आई, कटक में १५ से १६ नवंबर २००७ के दौरान वार्षिक सीधी भर्ती योजना बैठक

Participants get together for a group photograph during the ADRP meeting.

2007–08 for 18 Institutes / ZCUs. The meeting was also attended by Shri Sanjay Gupta, Deputy Secretary (Admn.), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, Smt Shashi Prabha Razdan, Deputy Secretary (Hort.), ICAR, New Delhi, Shri H.L Meena, DS (AE), ICAR, New Delhi, Shri V.K. Joshi, Under Secretary (Crop Sciences), ICAR, New Delhi, Shri P.K. Bage, Under Secretary (Fisheries), ICAR, New Delhi, Shri Pitamber, US, (Animal Sciences), ICAR, New Delhi, Smt S.D. Gupta, (Admn.), ICAR, New Delhi, Shri D.K. Bhatnagar, SO (CS), ICAR, New Delhi, Shri D.V.S. Dixit, Section Officer (Fisheries), ICAR, New Delhi, Shri Vijay Kumar, SO (NRM), ICAR, New Delhi, Shri Rupesh Sharma, SO, (NRM), ICAR, New Delhi, Shri Mouji Ram, SO (AE), ICAR, New Delhi, Kum Shashi B. Gupta, SO (Hort) ICAR, New Delhi, Shri Harpal Thakur, Assistant (CS), ICAR, New Delhi, Shri Sahi Ram, Asst. (Fisheries), ICAR, New Delhi, Shri D.D. Goutam, Asst. (Hort), ICAR, New Delhi and Shri Nirmal Sarkar, Asst., (AS), ICAR, New Delhi.❄

आयोजित की गयी। इस बैठक में श्री संजय गुप्ता, उप सचिव (प्रशासन), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्रीमती शशि प्रभा राजदान, उप सचिव (बागवानी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री एच.एल. मीणा, उप सचिव (अभियांत्रिकी), भाकृअनुप,नई दिल्ली, श्री वी.के.जोशी, अवर सचिव (फसल विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री पी.के. बागे, अवर सचिव (मात्स्यिकी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री पीतांबर, अवर सचिव (पशु विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्रीमती एस.डी. गुप्ता (प्रशासन) भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री डी.के.भटनागर, अनुभाग अधिकारी, (फसल विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री डी.बी.एस.दीक्षित, अनुभाग अधिकारी (मात्स्यिकी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री विजय कुमार, अनुभाग अधिकारी (एनआनएम), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री रुपेश कुमार, अनुभाग अधिकारी (एन आन एम), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री मौजी राम, अनुभाग अधिकारी, (अभियांत्रिकी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, कुमारी शशि.बी.गुप्ता, अनुभाग अधिकारी, (बागवानी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री हरपाल ठाकुर, सहायक, (फसल विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री शशि राम, सहायक, (मात्स्यिकी), भाकृअनुप, नई दिल्ली, श्री डी.डी. गौतम, सहायक, (बागवानी), भाकृअनुप, नई दिल्ली तथा एन. सरकार, सहायक, (एएस), भाकृअनुप, नई दिल्ली भी उपस्थित थे।❄

Dr M.P. Pandey Delivers Gopinath Sahu Memorial Lecture

PRESENT Scenario of Rice Research and Strategies for 21st Century" was the title of the 15th Gopinath Sahu Memorial Lecture delivered by Dr M.P. Pandey, Director, CRRI, on 23 Nov 2007. He spoke on the application of genomics in crop improvement, genetic engineering, transgenic rice and golden rice. Dr J.K. Roy, President, Association of Rice Research Workers, (ARRW), CRRI, Cuttack, welcomed the Speaker.❄

Courtesy: ARRW

डा.माता प्रसाद पांडेय का गोपीनाथ साहु स्मारक व्याख्यान

डा. माता प्रसाद पांडेय ने २३ नवंबर २००७ को '२१वीं सदी के लिए चावल अनुसंधान का वर्तमान परिदृश्य एवं रणनीतियां' विषय पर आयोजित १५वां गोपीनाथ साहु स्मारक व्याख्यान समारोह में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने फसल सुधार में जीनोमिक्स का प्रयोग, आनुवंशिक अभियांत्रिकी, ट्रांसजेनिक चावल तथा स्वर्णिम चावल पर व्याख्यान दिया। डा. जे.के. राय, अध्यक्ष, चावल अनुसंधान कार्मिक संघ, सी आर आर आई, कटक ने वक्ता का स्वागत किया।❄

Seed Processing Unit Inaugurated

A SEED processing plant in the BSP Seed Storage Laboratory under the mega seed project at the CRRI in Cuttack was inaugurated by Dr M.P. Pandey, Director, CRRI, Cuttack on 13 Dec 2007.❄

B. Behera

Dr M.P. Pandey, Director, CRRI examines the quality of the seed from the newly installed seed processing plant.

बीज प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन

डा. माता प्रसाद पांडेय, निदेशक, सी आर आर आई ने १३ दिसंबर २००७ को बृहत बीज परियोजना के अंतर्गत बीएसपी बीज भंडारण प्रयोगशाला में एक बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन किया।❄

CRRI Lifts ICAR Championship Trophy

Shri S.K. Mathur (second from right) receives the Championship Trophy from Dr Mangala Rai (left).

After receiving the first prize from Dr Mangala Rai the Kabaddi team gets together for a photograph.

THE CRRI for the first time lifted the Championship Trophy at the ICAR Inter-Zonal Sports Tournament for 2006-07 held at Indian Agricultural Research Institute (IARI), ICAR, New Delhi during 20 to 25 Nov 2007. Thirtyeight ICAR Institutes participated. Shri S. Pradhan of CRRI was awarded as the best athlete in the men category. The CRRI won the 100 m, 200 m, 400 m, 800 m, 1500 m, high jump, long jump and Kabaddi. The Kabaddi team comprising of Shri B.K. Sahoo (Captain), P.K. Jena, K.C. Mallick, Manas Ballav Swain, Dipti R. Sahu, S.K. Behera, S. Nayak, N. Mahabhoi, R.K. Behera and P.K. Parida got the first position. In the 4 x 100 m relay the team consisting of Shri B. Pradhan, S. Pradhan, R.C. Pradhan, P.K. Parida and S.K. Pandey obtained the first position. In the 400 meter race (men), 800 meter race (men) and 1500 meter race (men) Shri S. Pradhan obtained the first position in each of these events. Shri P.K. Parida stood first in the 200 meter race (men). In the high jump (men) and long jump (men) Shri B. Pradhan stood first.❄

The CRRI relay team receives the first prize from Dr Mangala Rai.

Shri Sesadev Pradhan receives the award for the best athlete (men).

Courtesy: IARI, New Delhi

Seen in the photograph (below) is the CRRI team at the felicitation ceremony held at Cuttack.

B. Behera

IJSC Meeting Held

THE Institute Joint Staff Council was held on 22 Dec 2007 under the Chairmanship of Dr M.P. Pandey, Director, CRRI. The meeting was attended by Drs S.N. Tewari and A.K. Mishra, Shri S.K. Sinha, Shri P.C. Naik, Shri D.K. Parida, Shri Satyabrata Nayak, Shri S.C. Pradhan, Shri Arun Panda, Shri S.K. Ojha, Shri B.K. Behera, Shri B.B. Das and Shri S.K. Mathur. Various administrative, financial and staff welfare issues were discussed.❄

सी आर आर आई द्वारा आईसीएआर चैंपियनशिप ट्राफी हासिल

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप, नई दिल्ली में २०-२५ नवंबर २००७ के दौरान वर्ष २००६-०७ के लिए आयोजित अंतर्क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में सी आर आर आई ने प्रथम बार चैंपियनशिप ट्राफी जीता। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ३८ संस्थानों ने भाग लिया। सी आर आर आई के श्री शेषदेव प्रधान को पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मिला। सी आर आर आई को १०० मी., २०० मी., ४०० मी., १५०० मी., हाई जंप, लांग जंप तथा कबड्डी में जीत मिली। श्री बसंत कुमार साहु के नेतृत्व में सी आर आर आई के कबड्डी दल को प्रथम स्थान मिला। इसमें श्री प्रशांत कुमार जेना, कैलाश चंद्र मलिक, मानस बल्लभ स्वाई, दीप्ति रंजन साहु, संतोष कुमार बेहेरा, सत्यव्रत नायक, एन. महाभोई, आर.के. बेहेरा, पी.के. परिड़ा शामिल थे। ४ x १०० मी. रिले दौड़ दल में श्री भाग्यधर प्रधान, शेषदेव प्रधान, आर.सी. प्रधान, पी.के. परिड़ा, एस.के. पांडे को प्रथम स्थान मिला। ४०० मी. दौड़ (पुरुष), ८०० मी. दौड़ (पुरुष), १५०० मी. दौड़ (पुरुष) में श्री शेषदेव प्रधान को प्रथम स्थान मिला। श्री पी.के. परिड़ा को २०० मी. दौड़ (पुरुष) में को प्रथम स्थान मिला। हाई जंप (पुरुष) तथा लांग जंप (पुरुष) में श्री भाग्यधर प्रधान को प्रथम स्थान मिला।❄

आई जे एस सी बैठक आयोजित

सी आर आर आई के निदेशक डा.माता प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में २२ दिसंबर २००७ को संस्थान संयुक्त कर्मचारी परिषद की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में डा. एस.एन.तिवारी तथा डा.ए.के.मिश्र, श्री एस.के.सिन्हा, श्री पी.सी.नायक, श्री डी.के.परिड़ा, श्री सत्यव्रत नायक, श्री एस.सी. प्रधान, श्री अरुण पंडा, श्री एस.के. ओझा, श्री बी.के. बेहेरा, श्री बी.बी. दास तथा श्री एस.के. माथुर उपस्थित थे। इस बैठक में विभिन्न प्रशासनिक, वित्तीय तथा कर्मचारी कल्याण विषयों पर विचार विमर्श किया गया।❄

Krishi Vigyan Kendras

Santhapur

Training

Eleven training programmes were conducted on integrated disease and pest management in paddy and oilseed crops (25 trainees), integrated fish farming (25 trainees), fruits and vegetables preservations for income generation activities (30 trainees), vermiculture (30 trainees), scientific storage of food grains and seeds (50 trainees), rodent control (30 trainees), improved duckery rearing practices (25 trainees), oyster mushroom cultivation (30 trainees), scientific storage of harvested paddy and pulses (35 trainees) and harmful disease pests of vegetable crops and their management (15 trainees). A total of 320 farmers and farmwomen of KVK, Santhapur, adopted villages namely Guali, Jhadeswarpur, Buhalo, Nischintakoili, Budukunia, Ratanpur and Dimiri were benefited by these training programmes.

Frontline Demonstrations

Demonstration on oyster mushroom (*Pleureotus sajorkaju*) was conducted for 100 farmwomen in Jhadeswarpur and Buhalo villages of Cuttack district. The farmwomen obtained 1.5 kg / mushroom bed using the paddy straw of variety CR 1014 and CR 1009.

In semi-intensive system, FLD on duckery, cross bred (Khaki camp bell x indigenous) was conducted in the KVK adopted village Baranga and Santhapur. At the age of 16 weeks, 21 female birds out of 40 started laying eggs (13 eggs / bird in the first month).

On-farm Testing

OFT on control of endoparasites in calves (round worm, Ascariasis, hook worm, Bonostomum) was conducted in Budukunia and Jhadeswarpur villages of Mahanga Block involving 20 farmers. Results showed that with treatment of piperzine citrate and Albendazole, the growth rate significantly increased, and the mortality rate of calves reduced.

World Food Day

World Food Day on 16 Oct 2007 was held at the KVK adopted village Jhadeswarpur of Mahanga Block under the Chairmanship of Dr M.P. Pandey, Director, CRRI in collaboration with Save Grain Campaign, Bhubaneswar. A total of 110 farmers and farmwomen participated. The District Agriculture Officer Shri B.C. Swain, the JAO of Mahanga Block Shri P.K. Behura,

कृषि विज्ञान केंद्र

संथपुर

प्रशिक्षण

चावल तथा तेलबीज फसलों में समेकित रोग एवं नाशककीट प्रबंधन (२५ प्रशिक्षार्थी), समेकित मछली पालन (२५ प्रशिक्षार्थी), आय उत्पन्न कार्यकलापों के लिए फल एवं सब्जी संरक्षण (३० प्रशिक्षार्थी), कृमि पालन (३० प्रशिक्षार्थी), खाद्य अनाजों एवं बीजो का वैज्ञानिक भंडारण (५० प्रशिक्षार्थी), चूहा नियंत्रण (३० प्रशिक्षार्थी), सुधरित बत्तख पालन पद्धतियां (२५ प्रशिक्षार्थी), शुक्ति मशरूम खेती (३० प्रशिक्षार्थी), कटायुपरांत धान एवं दलहन का वैज्ञानिक भंडारण तथा सब्जी फसलों के हानिकारक रोग फैलाने वाले नाशककीटों तथा उनका प्रबंधन (१५ प्रशिक्षार्थी) पर ग्यारह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर द्वारा अपनाये गये गांवों जैसे गुआली, झाड़ेश्वरपुर, बुहालो, निश्चिंतकोइली, बुड़कुनिया, रतनपुर तथा डिमरी के कुल ३२० किसान एवं महिला कृषकों को इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रशिक्षित किया गया।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

कटक जिले के झाड़ेश्वरपुर तथा बुहालो गांवों के १०० महिला कृषकों के लिए शुक्ति मशरूम (*प्लेयूरियोटस साजोरकाजू*) का प्रदर्शन किया गया। महिला कृषकों ने सी आर आर आई के सी आर १०१०४ तथा सी आर १००९ किस्मों के धान पुआल का प्रयोग करके १.५ कि.ग्रा./मशरूम क्यारी की उपज प्राप्त की।

अर्द्ध-गहन प्रणाली में, कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अपनाये गये बारंग एवं संथपुर गांवों में बत्तख, संकर जाति (खाकी कैंप बेल x देशी) पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किया गया। सोलह सप्ताह के बाद ४० पक्षियों में से २१ मादा पक्षियों ने अंडे देने आरंभ किये (प्रथम महीने में १३ अंडे/पक्षी)।

किसान के खेत में परीक्षण

माहांगा प्रखंड के बुडुकुनिया तथा झाड़ेश्वरपुर गांवों के २० किसानों के बछड़ों में इंडोपरजीवी के नियंत्रण पर परीक्षण किया गया। परिणामों से पता चला कि पाइपरजिन साइट्रेट तथा आलबेनडाजोल के उपचार से वृद्धि दर में बढ़ोत्तरी हुई तथा बछड़ों की मृत्यु दर घट गई।

विश्व खाद्य दिवस

अनाज बचाओ अभियान, भुवनेश्वर के सहयोग से सी आर आर आई के निदेशक डा.माता प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अपनाये गये माहांगा प्रखंड के झाड़ेश्वरपुर गांव में १६ अक्टूबर २००७ को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इसमें कुल ११० किसान एवं महिला किसानों ने भाग लिया। माहांगा प्रखंड के जिला कृषि अधिकारी श्री बी.सी. स्वाईं, कनिष्ठ कृषि अधिकारी श्री पी.के. बेहुरा तथा अनाज बचाओ अभियान के प्रभारी अधिकारी श्री यू.के. मिश्र

and the Incharge of the Save Grain Campaign Shri U.K. Mishra, attended the function.

Women in Agriculture Day

A Women in Agriculture Day was observed on 4 Dec 2007 in collaboration with the NGO Rudra (Rural and Urban Development Agency) of village Buhalo. Dr K.S. Rao, Principal Scientist and Head, Division of Crop Production, CRRI presided over the function. Prof. S.C. Mishra, Dean, Extension Education, OUAT, Bhubaneswar was the Chief Speaker. A total of 200 farmwomen of various self-help groups from the Nischintkoili Block attended the meeting.❄

KVK, Koderma

A KISAN Mela was organized in Village Sigrawa, District Hazaribagh under the FLD programme on 11 Oct 2007 with rice variety Anjali in bunded uplands.

A Farmers Field Day was organized at CRURRS, Hazaribagh station on 15 Oct 2007. About 300 farmers from the adopted villages and surrounding areas attended the Field Day. Different varieties with different management technologies were shown to the farmers. A question-answer session was also held.

A Farmers Field Day was also organized in village Lem District Chatra on 27 Oct 2007. Rice Abhishek was demonstrated in shallow rainfed lowland. It yielded 6.5 t/ha.❄

Radio and TV Talks

DR Jyoti Nayak gave a radio talk over All India Radio, Cuttack, on 18 Oct 07 on "Food Processing."

Shri B.C. Parida delivered a radio talk on "Methods of Parboiling" in All India Radio, Cuttack on 8 Nov 2007.

Dr P. Mishra participated in the phone-in-programme of Doordarshan, Bhubaneswar on the topic "Post-harvest Equipments for Rice," on 28 Dec 2007.

Dr. P. Mishra, spoke on the operation of CRRI Rice winnower-cum-grader over the Doordarshan on 25 Dec 2007.❄

Farmers observe a crop of rice Anjali in Village Sigrawa demonstrated by the KVK, Koderma.

KVK, Koderma

ने समारोह में भाग लिया।

महिला कृषि दिवस

गैर-सरकारी संगठन, रुद्र (ग्रामीण एवं शहरी विकास अभिकरण) के सहयोग से बुहालो गांव में ४ दिसंबर २००७ को महिला कृषि दिवस मनाया गया। सी आर आर आई के डा.के.एस. राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं फसल उत्पादन प्रभाग के अध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की। उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के विस्तार शिक्षा के अध्यक्ष प्रोफेसर एस.सी.मिश्र मुख्य वक्ता थे। निश्चिंतकोइली प्रखंड के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के कुल २८० महिला कृषकों ने इसमें भाग लिया।❄

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

हजारीबाग जिले के सिगारवा गांव में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत ११ अक्टूबर २००७ को मेढ़वाले ऊपरीभूमियों में धान किस्म अंजलि पर एक किसान मेला का आयोजन किया गया।

केंद्रीय वर्षाश्रित चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग में १५ अक्टूबर २००७ को एक किसान क्षेत्र दिवस मनाया गया। अपनाये गये गांवों तथा आसपास के क्षेत्रों से लगभग ३०० किसानों ने क्षेत्र दिवस में भाग लिया। किसानों को विभिन्न किस्में एवं उसके विभिन्न प्रबंधन प्रौद्योगिकियां दिखायी गयीं। एक प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

चतरा जिले के लेम गांव में २७ अक्टूबर २००७ को भी एक किसान क्षेत्र दिवस मनाया गया। उथली वर्षाश्रित निचलीभूमि में अभिषेक किस्म का प्रदर्शन किया गया। इससे २७ किसानों को ६.५ ट./है. की उपज प्राप्त हुई।❄

रेडियो एवं टीवी वार्ता

डा.ज्योति नायक ने १८ अक्टूबर २००७ को आकाशवाणी, कटक से 'खाद्य प्रसंस्करण' विषय पर एक रेडियो वार्ता दिया।

डा. बी.सी.परिड़ा ने ८ नवंबर २००७ को आकाशवाणी, कटक से 'उसनाने की पद्धतियां' विषय पर एक रेडियो वार्ता दिया।

डा. पी. मिश्र ने २८ दिसंबर २००७ को दूरदर्शन, भुवनेश्वर के फोन-इन-प्रोग्राम में 'धान के लिए कटायुपंरात उपकरण' विषय पर प्रश्नों का उत्तर दिया।

डा. पी. मिश्र ने २५ दिसंबर २००७ को दूरदर्शन, भुवनेश्वर से सी आर आर आई के चावल ओसाई-सह-ग्रेडर मशीन के संचालन पर बताया।❄

Exhibitions

THE CRRI participated in the 27th India International Trade Fair 2007 held at Pragati Maidan, New Delhi during 14 to 27 Nov 2007. Shri P. Jana and Shri P.K. Mohanty represented the CRRI.

The CRRI participated in the State Agriculture Fair 2007 on 20 Dec 2007, organized by the Directorate of Agriculture and Food Production, Government of Orissa, Bhubaneswar at Bhubaneswar. Shri P. Jana, Shri P.K. Mohanty, Shri S.M. Chatterjee and Shri B.D. Ojha represented the CRRI.

The KVK, Santhapur participated in the Regional Agriculture Fair held at CRRI, Cuttack from 31 Oct to 3 Nov 2007 and put up a stall.❄

Courtesy: ICAR, New Delhi

Shri P. Jana and Shri P.K. Mohanty (first from right) clarify queries of the visitors to the CRRI stall at the IITF 2007.

प्रदर्शनी

सी आर आर आई ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में १४ से २७ नवंबर २००७ के दौरान आयोजित २७वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लिया। श्री पी.के.महांती तथा श्री पी.जाना ने सी आर आर आई का प्रतिनिधित्व किया।

उड़ीसा सरकार के कृषि एवं खाद्य उत्पादन निदेशालय द्वारा २० दिसंबर २००७ को भुवनेश्वर में आयोजित राज्य कृषि मेले में सी आर आर आई ने भाग लिया। श्री पी.के. महांती, श्री एस.एम. चटर्जी तथा श्री बी.डी.ओझा ने सी आर आर आई का प्रतिनिधित्व किया।

सी आर आर आई, कटक में ३१ अक्टूबर से ३ नवंबर २००७ के दौरान आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेला में कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर ने भाग लिया तथा प्रदर्शनी में एक स्टाल भी लगाया।❄

Seminars/symposia/conferences/ workshops/trainings attended

DR B. Ramakrishnan, acted as a Resource Person and delivered a Lead Lecture on "Genetic Fingerprinting of Microbial Communities by TRFLP," in the National Training Programme on "Microbial Identification Modules for Some Agriculturally Important Microorganisms," organized by the National Bureau of Agriculturally Important Microorganism (NBAIM), Mau, Uttar Pradesh on 3 Oct 2007.

Dr K. Srinivasa Rao, attended the 2nd National Symposium on SRI in India—Progress and Prospects at Agartala during 3–5 Oct 2007, and presented a paper on the "Present Status of SRI Research" at CRRI, Cuttack, India.

Dr S.R. Dhua attended a meeting on "Review of Preparedness for DUS Testing" at NASC, New Delhi from 4 to 5 Oct 2007.

Dr G.J.N. Rao attended the Institute Technology Management Committee Meeting of CIFA, Bhubaneswar as expert member on 5 Oct 2007.

Dr S.K. Rautaray attended a meeting for finalization of AAU Technologies to be tested under OFT programme in Assam at the Faculty of Veterinary Sciences, Assam Agricultural University, Khanapara on 8 Oct 2007.

Dr P. Krishnan, attended the "National Conference on Climate Change" from 12 to 13 Oct 2007 at NAAS, New Delhi. In this Conference several issues on cli-

संगोष्ठी/परिसंवाद/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण

डा. बी. रामकृष्णन ने एन बी ए आई एम, माऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा ३ अक्टूबर २००७ को 'कुछ महत्वपूर्ण कृषि सूक्ष्मजीवों के लिए सूक्ष्मजैविक पहचान माड्यूल 'विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबल व्यक्ति के रूप में भाग लिया तथा 'टीआरएफएलपी द्वारा सूक्ष्मजैविक समूहों का आनुवंशिक फिंगरप्रिंटिंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा. के.एस. राव ने अगरताला में ३ से ५ अक्टूबर २००७ के दौरान भारत में एस आर आई-प्रगति एवं संभावनाएं 'विषय पर आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया तथा' सी आर आर आई, कटक, भारत में एस आर आई अनुसंधान की वर्तमान परिस्थिति ' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

डा. एस.आर. धुआ ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कांप्लैक्स, नई दिल्ली में ४ से ५ अक्टूबर २००७ के दौरान 'डीयूएस परीक्षण के लिए तैयारी की समीक्षा' विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डा. जी.जे.एन. राव ने केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर में ५ अक्टूबर २००७ को संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया।

डा. एस.के. राउतराय ने ओएफटी कार्यक्रम के अंतर्गत परीक्षण किये जाने वाले असम कृषि विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकियों को अंतिम रूप देने के लिए ८ अक्टूबर २००७ को असम कृषि विश्वविद्यालय, खानपारा के पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डा. पी. कृष्णन ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में १२ से १३ अक्टूबर २००७ को 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन,

mate change, its impact assessment, enhancing adaptive capacity and mitigation measures were discussed. Recommendations were made for preparing agricultural development project and better policy planning.

Dr P. Krishnan, attended the "Network Project Meeting on Climate Change" from 14 to 15 Oct at NASC, New Delhi. In this meeting it was decided to split the projects into two or three sub-projects on adaptation, mitigation and socio-economic constraints due to climate change. Various suggestions made by the participating scientists were considered. Later the participants visited the FACE, and TGT facilities developed at IARI.

Dr M.P. Pandey attended the International Symposium on "Management of Coastal Ecosystem: Technological Advancement and Livelihood Security" organized by the Indian Society of Coastal Agricultural Research, Central Soil Salinity Research Institute, Regional Station, Canning Town held at Science City, Kolkata from 27 to 30 Oct 2007 and presented a paper on "Application of Biotechnological Tools for Insect Pest Resistance in Improving Rice Productivity." Drs P. Sen, L. Behera and B.C. Marndi, Sanjoy Saha, and Annie Poonam also participated. Dr Saha delivered an Invited lead talk on "Rice-based Production System for Food and Livelihood Security in Eastern Coastal Plain."

Dr J.N. Reddy attended the ICAR Review Meeting of Foreign Aided Projects at New Delhi on 29 Oct 2007.

Dr K. Srinivasa Rao, attended the Review Meeting of the foreign-aided projects organized at ICAR, New Delhi on 29 Oct 2007.

Dr Padmini Swain attended the Review Meeting of Foreign-aided Projects at NCIPM, New Delhi on 29 Oct 2007.

Drs J.R. Mishra and P.K. Mallick and Shri Srikant Lenka attended the Zonal Workshop of KVKs of Orissa, Chhatisgarh and Madhya Pradesh at OUAT, Bhubaneswar from 30 Oct to 2 Nov 2007.

Dr P. Samal attended the 67th Annual Conference of the Indian Society of Agricultural Economics held at Bankers Institute of Rural Development, Lucknow from 5 to 7 Nov 2007 and presented a paper "Natural Calamities, Rice Production Loss and Risk-coping Strategies—The Case of Orissa."

Drs Jyoti Nayak and K.M. Das, and Shri S. Lenka of KVK, Santhapur participated in the Seminar on "Road Map for Agricultural Development in Orissa" from 6 to 7 Nov 2007 organized by the OUAT, Bhubaneswar and presented a paper on "Nutritional Garden for Family, Food and Nutritional Security."

Dr P. Mishra, and Shri A.K. Choudhury, attended

इसके प्रभाव मूल्यांकन, आनुकूलिक क्षमता में वृद्धि तथा अल्पीकरण उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। कृषि विकास परियोजना की तैयारी तथा बेहतर नीति योजना के लिए सिफारिशें की गयीं।

डा. पी. कृष्णन ने एनएएससी, नई दिल्ली में १४ से १५ अक्टूबर २००७ को 'जलवायु परिवर्तन पर नेटवर्क परियोजना' विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया। इस बैठक में जलवायु परिवर्तन के कारण अनुकूलनीयता, अल्पीकरण तथा सामाजिक-आर्थिक बाधाओं पर कुल परियोजनाओं को दो या तीन उप-परियोजनाओं में बांटने का निर्णय लिया गया। बैठक में भाग लेने आये वैज्ञानिकों के विभिन्न सुझावों को संस्तुतियों में शामिल किया गया। बाद में प्रतिभागियों ने आईएआरआई में विकसित एफएसीई तथा टीजीटी सुविधाओं का परिदर्शन किया।

डा. माता प्रसाद पांडेय ने भारतीय तटीय कृषि अनुसंधान संघ, केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र द्वारा कैनिंग टाउन, साइंस सीटी में २७ से ३० अक्टूबर २००७ के दौरान 'तटीय पारितंत्र का प्रबंधनः प्रौद्योगिकीय प्रगति तथा जीविका सुरक्षा' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया तथा चावल उत्पादकता में नाशककीट प्रतिरोधिता के लिए जैवप्रौद्योगिकीय उपकरणों का प्रयोग' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया। डा. पी.सेन, डा. एल. बेहेरा तथा डा. बी.सी. मरांडी, डा.संजय साहा तथा डा.एनी पूनम ने भी भाग लिया। डा.संजय साहा ने 'पूर्वी तटीय मैदानी भूमियों में खाद्य एवं जीविका सुरक्षा के लिए चावल आधारित उत्पादन प्रणाली' विषय पर एक मार्गदर्शक व्याख्यान दिया।

डा. जे.एन. रेड्डी ने २९ अक्टूबर २००७ को नई दिल्ली में आयोजित विदेशी वित्तपोषित परियोजनाओं की आईसीएआर समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डा. के.एस. राव ने २९ अक्टूबर २००७ को आईसीएआर, नई दिल्ली में आयोजित विदेश वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डा. पद्मिनी स्वाईं ने एनसीआईपीएम, नई दिल्ली में २९ अक्टूबर २००७ को आयोजित विदेश वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डा. जे.आर. मिश्र, डा. पी.के. मल्लिक तथा श्रीकांत जेना ने ३० अक्टूबर से २ नवंबर २००७ के दौरान ओयूएटी, भुवनेश्वर में उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश के केविके के लिए आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डा. पी. सामल ने ५ से ७ नवंबर २००७ के दौरान बैंकर्स ग्रामीण विकास संस्थान, लखनऊ में आयोजित भारतीय कृषि अर्थशास्त्र संघ के ६७वां वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'प्राकृतिक आपदाएं चावल उत्पादन-नुकसान एवं जोखिम-का सामना करने की रणनीतियां-उड़ीसा का मामला' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर के डा.ज्योति नायक तथा डा.के.एम.दास तथा श्री श्रीकांत लेंका ने ६ से ७ नवंबर २००७ के दौरान ओयूएटी, भुवनेश्वर द्वारा 'उड़ीसा में कृषि विकास के लिए रोडमैप' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'परिवार खाद्य तथा पौषणिक सुरक्षा के लिए पौषणिक वाटिका' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

डा. पी. मिश्र तथा श्री ए.के.चौधरी ने १० से १६ नवंबर २००७ के दौरान

the QRT meeting of AICRP on Renewable Energy Sources (Solar Energy and Biogas Technology) at CIAE, Bhopal from 10 to 16 Nov 2007.

Drs P.K. Sinha,.V.D. Shukla, G.N. Mishra, M. Variar, D. Maiti, Anand Prakash, J. Rao, G. Padhi, R.C. Dani, S.C. Sahu, S. Sasmal, K.S. Behera, C.D. Mishra, M. Jena, T.K. Dangar, P.C. Rath, V. Nandagopal and Shri C.V. Singh participated in the National Symposium on "Research Priorities and Strategies in Rice Production System for Second Green Revolution organized by ARRW, CRRI, Cuttack during 20–22 Nov 2007. Drs N.C. Rath, K.M. Das, Lipi Das, Jyoti Nayak, and Shri S. Lenka presented a research paper on "Frontline Demonstration for Improving Rice Productivity." Dr B. Ramakrishnan, made an oral presentation on "Microbial Reduction of Iron in Flooded Rice Soils of India."

Dr R.K. Singh attended the Annual Meeting of the Indian Society of Soil Science from 2 to 5 Dec 2007 at BAU, Ranchi.

Drs Anand Prakash, J. Rao and P.C. Rath participated and presented papers in the National Symposium on "Sustainable Pest Management for Safer Environment," from 6 to 7 Dec 2007 at OUAT, Bhubaneswar.

Drs Anand Prakash, J. Rao, G. Padhi, R.C. Dani, S.C. Sahu, S. Sasmal, K.S. Behera, C.D. Mishra, M. Jena, T.K. Dangar, P.C. Rath, V. Nandagopal, P.K. Sinha, V.D. Shukla, M. Variar and D. Maiti participated in the National Symposium on "Recent Trends in Rice Pest Management" from 8–9 Dec 2007 at CRRI, Cuttack.

Dr B.C. Patra attended the Farmer's Training Programme as a resource person at Kantapara, Cuttack, Orissa on 11 Dec 2007.

Dr J. Nayak attended the training on "Gender Mainstreaming in Agriculture," sponsored by MANAGE, Hyderabad at OUAT, Bhubaneswar on 11 Dec 2007.

Dr S.G. Sharma, was invited to deliver a lecture on "Specialty Rices for Industrial Products and Profitability" in the Workshop on "Rice and Food Security" held at Dimapur, Nagaland during 11–13 Dec 2007. A district-wise collection of more than 400 rice germplasm of Nagaland together with information on each was on display. About 100 rice-based preparations were also exhibited.

Dr B. Ramakrishnan, participated in the 48th Annual Conference of Association of Microbiologists of India held at the Indian Institute of Technology, Chennai on 18–21 Dec 2007.

Drs N.C. Rath and Lipi Das attended the National Seminar on "Appropriate Extension Strategies for

केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में नवीनीकरण ऊर्जा स्रोत (सौर ऊर्जा तथा बायोगैस प्रौद्योगिकी) पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के पंचवर्षीय समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डा. पी.के. सिन्हा, डा. बी.डी. शुक्ला, डा. जी.एन. मिश्र, डा. एम. वरियर डा. डी. मैती, डा. ए. प्रकाश, डा. जे. राव, डा. गौरी पाढ़ी, डा. आर.सी. दानी, डा. एस.सी. साहु, डा. एस. शास्मल, डा. के. एस. बेहेरा, डा. सी.डी. मिश्र, डा. एम.जेना, डा. टी.के. डांगर, डा. पी.सी. रथ तथा डा. वी. नंदगोपाल तथा श्री सी.वी. सिंह ने २० से २२ नवंबर २००७ के दौरान सी आर आर आई, कटक में एआरआरडब्ल्यू द्वारा 'द्वितीय हरित क्रांति के लिए चावल उत्पादन में अनुसंधान प्राथमिकताएं तथा रणनीतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया। डा. एन.सी. रथ, डा. के.एम. दास, डा. लिपि दास, श्रीमती ज्योति नायक तथा श्री एस. लेंका ने 'चावल उत्पादकता के सुधार के लिए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन' विषय पर एक आलेख प्रस्तुत किया। डा. बी. रामकृष्णन ने 'भारत के जलप्लावित चावल मिट्टयों में लोहा के सूक्ष्मजैविक निम्नीकरण' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डा. आर.के. सिंह ने २ से ५ दिसंबर २००७ के दौरान बीएयू, रांची में आयोजित भारतीय मृदाविज्ञान संघ के वार्षिक बैठक में भाग लिया।

डा. आनंद प्रकाश, डा. जे. राव तथा पी.सी.रथ ने ६ से ७ दिसंबर २००७ के दौरान उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'सुरक्षित पर्यावरण के लिए टिकाऊ नाशकजीव प्रबंधन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किये।

डा. आनंद प्रकाश, डा. जे. राव, डा. गौरी पाढ़ी, डा. आर.सी. दानी, डा. एस.सी. साहु, डा.एस. शासमल, डा. के.एस. बेहेरा, डा. सी.डी. मिश्र, डा. एम. जेना, डा. टी.के. डांगर, डा. पी.सी. रथ तथा डा. वी. नंदगोपाल, डा. पी.के. सिन्हा, डा. वी.डी. शुक्ला, डा. एम. वरियर तथा डा.डी.मैती ने ८ से ९ दिसंबर २००७ के दौरान सी आर आर आई, कटक में 'चावल नाशकजीव प्रबंधन में नवीनतम प्रवृत्तियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

डा. बी.सी. पात्र ने ११ दिसंबर २००७ को कांटापाडा, कटक में आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संबल व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डा. जे. नायक ने ११ दिसंबर २००७ को मैनेज, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित एवं उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'कृषि में लिंग मुख्यधारा' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

डा. एस.जी. शर्मा ने ११ से १३ दिसंबर २००७ के दौरान दिमापुर, नगालैंड में 'चावल तथा खाद्य सुरक्षा ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'औद्योगिक उत्पाद तथा लाभ के लिए विशिष्ट चावल किस्में' विषय पर एक व्याख्यान दिया। नगालैंड के सभी जिलों से ४०० चावल जननद्रव्यों का संग्रहण तथा प्रत्येक जननद्रव्य की जानकारी का प्रदर्शन किया गया था। लगभग १०० चावल आधारित पकवानों का भी प्रदर्शन किया गया था।

डा. बी. रामकृष्णन ने १८ से २१ दिसंबर २००७ को भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, चैन्नई में भारतीय सूक्ष्मजैववैज्ञानिक संघ की ४८वां वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

डा. एन.सी. रथ तथा डा. लिपि दास ने १८ से २० दिसंबर २००७

Management of Rural Resources" held at UAS, Dharwad from 18 to 20 Dec 2007.

Dr M.P. Pandey delivered a key note address on "Global Rice Scenario, Achievements and Future Challenges" in the 32nd Annual conference of Orissa Botanical Society held at OUAT, Bhubaneswar on 21 Dec 2007.

Dr G.N. Mishra participated in the Agriculture Development Programme for Jharkhand under the Chairmanship of Dr M.S. Swaminathan at the BAU, Ranchi and organized by Government of Jharkhand.

Dr G.N. Mishra attended the meetings of the National Food Security Mission and Rastriya Krishi Vikash Yojana of the Government of Jharkhand.❄

Seminar

DR P.C. Rath gave a seminar talk on "Integrated Pest Management" based on his training at the Egyptian International Centre for Agriculture, Cairo, Egypt on 24 Oct 2007 at CRRI.❄

Membership in Different Committees

DR M.P. Pandey was nominated as a Member in the following National and State Level Committees: National Level Seed Committee, State Level Committee on Food Security Mission (SLC-FSM), State Food Security Mission Executive Committee (SFSMEC) and the National Level Monitoring Committee (NLMC) of the National Food Security Mission.❄

Visitors

DRS R. Serraj, A. Kumar, Thelma Paris, V. Sivaprasad and Stephen Haefle from the International Rice Research Institute (IRRI), the Philippines, visited the upscaling experiments under IFAD in village Kanchanpur and Sigrawa, along with the scientists of CRURRS, Hazaribagh on 5 Oct 2007.

Drs R. Serraj, A. Kumar, Thelma Paris, V. Sivaprasad, R. Venuprasad, J. Bernier and Stephen Haefle of the IRRI Monitoring Team visited CRRI during 2–3 Oct 2007, for evaluating the Drought Breeding Network Trials and Aerobic Rice trials conducted during *kharif* 2007 at CRRI, Cuttack.❄

The IRRI team visited upscaling experiments under IFAD in village Kanchanpur.

KVK, Koderma

को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ में 'ग्रामीण संसाधनों के प्रबंधन के लिए उपयुक्त प्रसार रणनीतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डा. माता प्रसाद पांडेय ने २१ दिसंबर २००७ को उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'वैश्विक चावल परिदृश्य, उपलब्धियां तथा भावी चुनौतियां' विषय पर आयोजित उड़ीसा वानस्पतिक संघ के ३२वां वार्षिक सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान दिया।

डा. जी.एन. मिश्र ने झारखंड सरकार द्वारा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में डा. एम.एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य के लिए आयोजित एक कृषि विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डा. जी.एन. मिश्र ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तथा झारखंड सरकार के राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के बैठकों में भाग लिया।❄

संगोष्ठी

डा. पी.सी. रथ ने मिस्री अंतर्राष्ट्रीय कृषि केंद्र, कैरो, मिस्र में अपने प्रशिक्षण के आधार पर सी आर आर आई में २४ अक्टूबर २००७ को 'समेकित नाशकजीव प्रबंधन' पर एक व्याख्यान दिया।❄

विभिन्न समितियों में सदस्यता

डा. माता प्रसाद पांडेय को इन राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय समितियोंः राष्ट्रीय स्तर बीज समिति, खाद्य सुरक्षा मिशन पर राज्य स्तर समिति, राज्य खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारी समिति तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय स्तर निगरानी समिति में सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।❄

आगंतुक

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपाइंस के डा.आर.सेराज, डा. अरविंद कुमार, डा. वी. शिवप्रसाद तथा डा. स्टीफेन हेफल ने केंद्रीय वर्षाश्रित चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर आई एफ ए डी के अंतर्गत कांचनपुर तथा सिरगावा गांवों में ५ अक्टूबर २००७ को अपस्केलिंग परीक्षणों का परिदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के निगरानी दल के डा. आर. सेराज, डा. अरविंद कुमार, डा. वी. शिवप्रसाद, आर. वेणुप्रसाद, डा. जे. बर्नियर तथा डा.स्टीफेन हेफल ने सी आर आर आइ, कटक में २००७ के खरीफ के दौरान सूखा प्रजनन नेटवर्क परीक्षण तथा वायुजीवी चावल परीक्षण का मूल्यांकन करने के लिए २ से ३ अक्टूबर २००७ में सी आर आर आई का परिदर्शन किया।❄

Doctoral Degree Awarded

DR Prasanta Kumar Mallick, SMS (Vet. Sci), KVK, Santhapur, was conferred the doctoral degree in Genetics and Animal Breeding for his research work on "Genetic Studies on Economic Studies on Economic Traits and Sire Evaluation using different Methods in Red Sindhi Cattle," by the GBPUAT, Pantnagar.❋

Foreign Deputation

DR O.N. Singh attended the training programme on "IRRI Rice Breeding Course" at IRRI, Philippines from 1 to 12 Oct 2007.

Dr M.P. Pandey, Director attended the IRRC Steering Committee Meeting at Hanoi, Vietnam from 8–10 Oct 2007. He chaired the session on "Post Production and Labour Productivity" and also attended the concurrent session and field tour to Ha-nam province.

Dr M. Variar participated in the 4th International Rice Blast Conference under the "Upland Rice Shuttle Breeding Network" from 9–14 Oct 2007.

Dr N.C. Rath participated in the International Conference on "Does Rice Have a Future in Asia" from 14–17 Oct 2007 at the Chonnam National University, Gwangju, South Korea.

Dr Amal Ghosh, attended the International Workshop on Aerobic Rice at Beijing, China during 22–24 Oct 2007. He presented a poster on "Studies on Physical and Biochemical Root Traits of Aerobic Rice Genotypes under Deficit Water Stress."

Drs D.P. Singh and K.R. Mahata participated in the International Conference DELT 2007 on "Managing the Coastal Land-Water Interface in Tropical Delta Systems," consisting of two days of formal presentation followed by a field trip to coastal site on the third day and review and planning meeting for CPWF project-7 from 7–10 Nov 2007.

Dr B. Ramakrishnan, availed the Fulbright Indo-American Environmental Leadership Program Fellowship at the Department of Microbiology, University of Massachusetts, United States of America.❋

Appointments

SHRI Bibhash Medhi, Farm Assistant (T-3) joined RRLRRS, Gerua, Assam on 1 Oct 2007.❋

Retirement

SHRI K. Das, SS Grade IV, retired on 31 Oct 2007.
Dr B. Mahapatra, Principal Scientist, Shri Nilamani

डाक्टराल डिग्री

डा. पी.के. मल्लिक, विषयवस्तु विशेषज्ञ (प.विज्ञान), केविके, संथपुर को 'आर्थिक लक्षणों पर आर्थिक अध्ययन पर आनुवंशिक अध्ययन तथा लाल सिंधी मवेशियों में विभिन्न पद्धतियों का प्रयोग करके प्रजनक मूल्यांकन' विषय पर आनुवंशिकी एवं पशु प्रजनन में उनके अनुसंधान कार्य के लिए जीबीपीयूएटी, पंतनगर द्वारा डाक्टराल डिग्री की उपाधि प्रदान की गयी।❋

विदेश प्रतिनियुक्ति

डा. ओ.एन. सिंह ने १ से १२ अक्टूबर २००७ के दौरान अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपाइंस में 'आई आर आर आई चावल प्रजनन पाठ्यक्रम' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डा. एम.पी. पांडेय, निदेशक ने ८ से १० अक्टूबर २००७ को हानोई, वियतनाम में आईआरआरसी विषय-निर्वाचन समिति बैठक में भाग लिया। उन्होंने 'पश्च उत्पादन एवं श्रम उत्पादकता' विषय पर आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता की तथा समकालीन सत्र में भाग लिया एवं हानाम प्रांत में क्षेत्र परिदर्शन किया।

डा. एम. वरियर ने ९ से १४ अक्टूबर २००७ के दौरान 'उपराऊंभूमि चावल शटल प्रजनन नेटवर्क' के अंतर्गत चौथा अंतर्राष्ट्रीय चावल प्रध्वंस सम्मेलन में भाग लिया।

डा. एन.सी. रथ ने १४ से १७ अक्टूबर २००७ के दौरान चोन्नाम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, ग्वांगजू, दक्षिण कोरिया में 'क्या एशिया में चावल का भविष्य है' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डा. ए. घोष ने २२-२४ अक्टूबर २००७ में बेजिंग, चीन में वायुजीवी चावल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने 'कम जल दबाव के अंतर्गत वायुजीवी चावल जीनप्ररूपों के भौतिक तथा जैवरासायनिक जड़ लक्षणों पर अध्ययन' विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डा. डी.पी. सिंह तथा डा. के.आर. महाता ने ७ से १० नवंबर २००७ के दौरान 'उष्णकटिबंधी डेल्टा प्रणालियों में तटीय भूमि-जल अंतरापृष्ठ के प्रबंधन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय डेल्ट सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने इसमें दो दिनों तक औपचारिक प्रस्तुतीकरण किया तथा तीसरे दिन एक क्षेत्र दौरा कार्यक्रम में तटीय स्थल का दौरा किया एवं सीपीडब्ल्यूएफ परियोजना-७ की समीक्षा एवं योजना बैठक में भाग लिया।

डा. बी. रामकृष्णन ने संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के मासाच्यूसेटस विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग में फुलब्राइट इंडो-अमेरिकन पर्यावरण नेतृत्व कार्यक्रम शोधवृत्ति में भाग लिया।❋

नियुक्ति

श्री विभाष मेधी ने १ अक्टूबर २००७ को क्षेत्रीय वर्षाश्रित चावल अनुसंधान, गेरुआ, असम में प्रक्षेत्र सहायक (टी-३) के रूप में योगदान किया।❋

सेवानिवृत्ति

श्री काशीनाथ दास, सहायक कर्मचारी वर्ग-IV ३१ अक्टूबर २००७ को सेवानिवृत्त हुए।

Sethi SS Grade II and Shri Srinath Parida, SS Grade II retired on 30 Nov 2007.

Er F.C. Das, Principal Scientist, Shri Dibakar Choudhary, SS Grade IV and P. Soren, SS Grade IV retired on 31 Dec 2007.❄

डा.बिरांची नारायण महापात्र, प्रधान वैज्ञानिक, श्री नीलमणि सेठी, सहायक कर्मचारी वर्ग-II तथा श्री श्रीनाथ परिड़ा, सहायक कर्मचारी वर्ग-II ३० नवंबर २००७ को सेवानिवृत्त हुए।

इर.फकीर चरण दास, प्रधान वैज्ञानिक, श्री दिवाकर चौधरी, सहायक कर्मचारी वर्ग-IV तथा पी.सोरेन सहायक कर्मचारी वर्ग-IV ३१ दिसंबर २००७ को सेवानिवृत्त हुए।❄

Necrology

SMT Tulasi Dei, SS Grade II, CRRI, Cuttack, expired on 13 Dec 2007.❄

निधन

श्रीमती तुलसी देई, सहायक कर्मचारी वर्ग-II का १३ दिसंबर २००७ को निधन हो गया।❄

Publications

DAS, J., Dangar, T.K., 2007. Diversity of *Bacillus thuringiensis* in the rice field soils of different ecologies in India. *Indian J. Microbiol.* 47: 364–368.

Krishnan, P., Swain, D.K., Baskar, C., Nayak, S.K., and Dash, R.N., 2007. Simulation studies on the effects of elevated CO_2 and temperature on rice yield in Eastern India. *Agriculture, Ecosystems & Environment* 122 (2): 233–242.

Maiti, D., Shukla, V.D., Variar, M., Mehdi, M.M., and Rath, P.C., 2007. Validation of IPM strategy for rainfed upland rice (*Oryza sativa* L.) under medium rainfall plateau of Eastern India through on-farm trials. *Oryza* 44(2): 140–144.

Nandagopal, V, Rath, P.C., and Koshiya, D.J., 2007. Pesticide Application Techniques. *Groundnut Entomology*. Editors: V. Nandagopal and K. Gunathilagaraj, Satish Serial Publishing House, pp.511–528.

Rath, P.C., and Ganguli, R.N., 2007. Insect pest of tomato crops. Insect pests of fruit crops, vegetables and spices and condiments and their management. Editors: Anand Prakash, Jagadiswari Rao and V. Nandagopal, Applied Zoologists Research Association (AZRA), pp.163–172.

Rath, P.C., and Misra, S.S., 2007. Insect pests of okra. Insect pests of fruit crops, vegetables and spices and condiments and their management, Editors: Anand Prakash, Jagadiswari Rao and V. Nandagopal, Applied Zoologists Research Association (AZRA), pp.173–177.

Rautaray, S.K., 2007. Effect of spacing and fertilizer dose on grain yield of rice (*Oryza sativa L.)* in rice rice-cropping sequence. *Oryza* 44(3): 285–287.

Saha, Sanjoy, Rao, K.S., and Singh, Y.V., 2007. Integrated weed management—a viable and economic strategy for improving productivity of rainfed lowland direct-sown rice. *Indian Farming* 59(5): 26–29.

Saha, Sanjoy, and Moharana, Monalisa, 2007. Production potential and economics of different rice-based relay cropping systems under rainfed shallow lowlands of coastal Orissa. *Oryza* 44(2): 134–136.

Saha, Sanjoy, and Moharana, Monalisha, 2007. Performance of blackgram as *utera* crop in relation to stubble height of preceding rice crop in rice-blackgram *utera* cropping sequence. *Oryza* 44(3): 275–276.

Swain, D.K., Herath, S., Saha, S., and Dash, R.N., 2007. CERES-Rice model: Calibration, evaluation and application for solar radiation stress assessment on rice production. *Journal of Agrometeorology* 9(2): 138–148.

Swain, D., Hathi, S., Chandrabaskar, B., Krishnan, P., Rao, K.S., Nayak, S.K., and Dash, R.N., 2007. Developing ORYZA IN for medium- and Long-Duration Rice: Variety Selection under Non-Water-Stress Conditions. *Agronomy Journal* (US) 99: 428–440.

Swain, P., and Baig, M.J., 2007. Relative degree of photosensitivity of rice cultures as influenced by different sowing dates. *Indian Journal of Crop Science* 2(1): 167–173.❄

Director: M.P. Pandey

Compilation: Sandhya Rani Dalal

Hindi translation: G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Capital Business Service and Consultancy, Bhubaneswar (Orissa) 751 007. Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.